A-623

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVK-102

कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप नित्यकर्म वदेवपूजन

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. मांगलिक कार्यो में टीका, चन्दन, कलावा, धौतवस्त्र, कुशा, दूर्ग आदि की वैज्ञानिकता को सिद्ध करते हुए विवेचन करें।

Q.2. संस्कारों के प्रति आधुनिक वैज्ञानिकों की अवधारणा पर निबन्ध लिखिए।

Q.3. वैज्ञानिक दृष्टि से वर्तमान में व्रत एंव पर्वी की महत्ता पर प्रकाश डालें।

Q.4. पूजन क्रम की विधि का सविस्तार उल्लेख करें।

Q.5. श्री सत्यनारायण जी की आरती एवं स्तुति का आधुनिक परिपेक्ष्य में प्रकाश डालें।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. उपनयन क्यों आवश्यक है। उल्लेख करें।

Q.2. विवाह क्यों आवश्यक है। विवाह की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालें।

Q.3. षोडशमातृका की पूजन विधि लिखें एंव उसकी महत्ता पर प्रकाश डालें।

Q.4. पच्चदे व पूजन क्यों आवश्यक हैं, सविधि वर्णन कीजिए।

Q.5. महालक्ष्मी पूजन विधि का सविस्तार उल्लेख करें।

Q.6. श्री दुर्गा जी की आरती का उल्लेख करें।

Q.7. भारत के प्रमुख पर्तों की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालें।

Q.8. मांगलिक कार्यों में कलश स्थापन क्यों आवश्यक है? प्रकाश डालें।

****